IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# बास्केटबॉल तथा वॉलीबॉल के अन्तरमहाविद्यालयी स्तर पर भाग लेने वाले खिलाड़ियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

**दुलीचन्द महला[1] डॉ० दिवेश चौधरी[2]**

[1] शोध छात्र, शारीरिक शिक्षा विभाग, आई०आई०एम०टी० विश्वविद्यालय, मेरठ
[1] आचार्य, शारीरिक शिक्षा विभाग, आई०आई०एम०टी० विश्वविद्यालय, मेरठ

## सार

**प्रस्तावनाः** अध्ययन का मुख्य उद्देश्य चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ व माँ शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के बास्केटबॉल तथा वॉलीबॉल के अन्तरमहाविद्यालयी स्तर पर भाग लेने वाले खिलाड़ियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन करना था। ऐसे अध्ययनों का उद्देश्य है– निष्पादन के विषय में पूर्वानुमान तथा क्रीड़ा प्रतिस्पर्धा के लिये खिलाड़ियों का चयन करना। **तरीकाः** अध्ययन के लिए कुल 100 खिलाड़ियों (50 बास्केटबॉल व 50 वॉलीबॉल) का चयन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ व माँ शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के विभिन्न महाविद्यालयों से अन्तरमहाविद्यालयी स्तर पर भाग लेने वाले बास्केटबॉल व वॉलीबॉल के सत्र 2023–24 में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों का यादृच्छिक रूप से चुना गया था। समायोजन को मापने हेतु ए०के०पी० सिन्हा व आर०पी० सिंह द्वारा निर्मित 'एडजस्टमेंट इन्वेंट्री फॉर कॉलेज स्टूडेन्ट' का प्रयोग किया गया है। विषयों की आयु 17 से 25 वर्ष के बीच थी। बास्केटबॉल व वॉलीबॉल के खेल के खिलाड़ियों के बीच समायोजन के तुलनात्मक अध्ययन के लिए टी–टेस्ट का प्रयोग किया गया। परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिए महत्व का स्तर 0.05 निर्धारित किया गया था। **परिणाम और चर्चाः** अन्तरमहाविद्यालयी स्तर के बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल खिलाड़ियों के समायोजन में तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर स्पष्ट होता है कि समायोजन के कारक को घरेलू, स्वास्थ्य, सामाजिक, भावनात्मक, शैक्षणिक का बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल खिलाड़ी एक समान रूप से प्रतिनिधित्व करते हैं।

**मुख्य बिंदुः** बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, अन्तरमहाविद्यालय खिलाड़ी, समायोजन।

[1] शोध छात्र, शारीरिक शिक्षा विभाग, आई०आई०एम०टी० विश्वविद्यालय, मेरठ
[2] आचार्य, शारीरिक शिक्षा विभाग, आई०आई०एम०टी० विश्वविद्यालय, मेरठ

## प्रस्तावना

शिक्षा के क्षेत्र में असमानतायें पाया जाना एक सामान्य सी बात है। विशेषकर विकासशील देशों में सुविधाओं का असमान वितरण देखने में आता है। यह शिक्षा सुविधायें न केवल गुणवत्ता के मत से असमान है बल्कि शिक्षा की पहुँच के हिसाब से भी असमानता पाई जाती है। आमतौर पर यह पाया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की सुविधायें शहरी क्षेत्रों की तुलना में कम है यही कारण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार–प्रसार भी कम ही हो पाया है।

शिक्षा एवं खेल द्वारा किसी भी राष्ट्र या समाज की अपनी मनोवृत्तियाँ प्रतिबिम्बित होती है। इसी से इसका क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत होता है। खेल एवं शिक्षा की महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया व्यक्ति को सम्पूर्ण करती है। खेल एवं शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य किसी व्यक्ति को जीवन जीने की कला से पूर्ण रूप से परिचित कराना और उसे व्यवहार में उतारने की क्षमता पैदा करना है। खेल व्यक्ति को ऐसा व्यक्तित्व प्रदान करने में सक्षम है जो व्यक्तिगत तथा सामाजिक दोनों आयामों में सफलता पूर्वक जीवन जीने की योग्यता प्रदान करता है। आज इसी व्यापक अर्थ में ही खेल की उपयोगिता स्वीकार की जानी चाहिये। व्यक्तित्व का पहला घटक मनुष्य की आकृति है। शारीरिक रूप से विकृत व्यक्ति समाज में चर्चा का विषय होता है। व्यक्तित्व उसके शारीरिक गुणों व सामाजिक व्यवहारों का योग होता है क्योंकि शरीर धारणा त्रुटिपूर्ण होने वाला व्यक्ति अपने आन्तरिक गुणों को भी प्रकट करने में असमर्थ होता है अथवा उसमें हिचकिचाहट होती है। वह अन्तर्मुखी तथा स्वकेन्द्रीय बन जाता है और उसके भावों को समझना कठिन हो जाता है।

## समस्या का कथन–

**''बास्केटबॉल तथा वॉलीबॉल के अन्तरमहाविद्यालयी स्तर पर भाग लेने वाले खिलाड़ियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन''**

## अध्ययन के उद्दश्य–

प्रस्तुत शोध अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं–

1. अन्तरमहाविद्यालयी स्तर के बास्केटबॉल के खिलाड़ियों की समायोजन अध्ययन करना।
2. अन्तरमहाविद्यालयी स्तर के वॉलीबॉल के खिलाड़ियों की समायोजन अध्ययन करना।
3. अन्तरमहाविद्यालयी स्तर के बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल की समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन करना।

**परिकल्पनायें–**

1. अन्तरमहाविद्यालयी स्तर के बास्केटबॉल के खिलाड़ियों के समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. अन्तरमहाविद्यालयी स्तर के वॉलीबॉल के खिलाड़ियों के समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. अन्तरमहाविद्यालयी स्तर के बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल के खिलाड़ियों के समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

**परिसीमायें–**

1. प्रस्तुत अध्ययन में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पुरूष खिलाड़ी विद्यार्थियों को ही शामिल किया गया है।
2. प्रस्तुत अध्ययन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ व माँ शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय, सहारनपुर से सम्बद्ध महाविद्यालयों तक ही परिसीमित किया गया है।
3. प्रस्तुत अध्ययन में केवल अन्तरमहाविद्यालयी बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पुरूष प्रतिभागियों को ही शामिल किया गया है।

**साहित्यावलोकन–**

**भट्टाचार्य ए0एस0 (2022)** ने अपने शोध **''खिलाड़ियों व गैर खिलाड़ियों के व्यक्तित्व, समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन''** पर अन्तर महाविद्यालय, मेरठ विश्वविद्यालय के छात्रों शोध किया शोध कार्य में 150 खिलाड़ी एवं 150 गैर खिलाड़ियों को सम्मलित किया गया अध्ययन के पश्चात् पाया गया कि शैक्षिक उपलब्धि, व्यक्तित्व एवं समायोजन के बीच घनात्मक सहसम्बन्ध होता है।

**रानी मोहन राज, लता (2021)** ने कक्षा 9, 10, 11वीं के 14 से 16 साल के 192 बच्चों पर उनके परिवार के वातावरण का उनके समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य संबंध ज्ञात करने हेतु शोध किया तथा निम्न परिणाम प्राप्त हुए–

- छात्रों के घरेलू वातावरण का प्रभाव उनके समायोजन और शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रभाव डालता है।
- जिन बच्चों के घरों में माहौल संघर्षपूर्ण था उन बच्चों के शैक्षिक उपलब्धियां अन्य बच्चों की अपेक्षा कम पायी गयी।

- जिन बच्चों के परिवार में उनको मनपसंद कार्य करने की छूट थी, उनके शैक्षिक प्रदर्शन में वृद्धि देखी गई।

**सरल, आर0के0 (2020)** ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के स्नातक स्तर के छात्रों में समायोजन के प्रभाव का अध्ययन किया जिसमें छात्रों का नैतिक समायोजन अधिक सकारात्मक पाया गया जबकि छात्राओं का समायोजन घर व समाज के वातावरण आदि से प्रभावित रहा।

**श्रीवास्तव (2020)** ने नवोदय विद्यालयों के कक्षा X के छात्रों के सामाजिक मनोवैज्ञानिक अभिलक्षणों का अध्ययन किया। न्यादर्श के रूप में उत्तर प्रदेश के नवोदय विद्यालयों से कक्षा X के 385 छात्रों का यादृच्छिक विधि से चयन किया गया। उपकरण के रूप में रेवान की प्रोग्रेसिव मैट्रिक्स, शेरी, वर्मा और गोस्वामी का स्वत्व–बोध परीक्षण, जे0एस0 ग्रेवाल की आकुपेशलन एस्पिरेशन स्केल, एस0पी0 कुलश्रेष्ठ की एस0पी0एस0 स्केल (फार्म बी–ग्रामीण), बी0के0 मित्तल की एडजेंटमेंट इंवेंटरी तथा एस0एल0 चोपड़ा की सोशल एक्सेप्टेबिलिटी एमांग पीयर्स का उपयोग किया गया। प्रमुख निष्कर्ष इस प्रकार रहे– प्रतिदर्श के विभिन्न सामाजिक मनोवैज्ञानिक अभिलक्षण इस प्रकार रहे– बुद्धि में 22.27 प्रतिशत उत्तम, 41.45 प्रतिशत सामान्य से ऊपर, 20.46 प्रतिशत सामान्य तथा 15.80 प्रतिशत सामान्य से कम थे। आत्म–प्रत्यय में 7.7 प्रतिशत बहुत अच्छे, 48.18 प्रतिशत सामान्य तथा 8.29 प्रतिशत कमजोर थे। सामाजिक–आर्थिक स्तर में 7.51 प्रतिशत उच्च, 36.26 प्रतिशत सामान्य और 56.21 प्रतिशत निम्न थे। व्यावसायिक आकांक्षा में 50.25 प्रतिशत अति महत्वाकांक्षा, 15.80 प्रतिशत महत्वाकांक्षी, 14.24 प्रतिशत सामान्य और 8.90 प्रतिशत निम्न महत्वाकांक्षी थे। समायोजन में 15.02 प्रतिशत उत्कृष्ट, 44.04 प्रतिशत उत्तम, 36.01 प्रतिशत संतोषजनक तथा 4.92 प्रतिशत असंतोषजनक पाये गये। बुद्धि, आत्म–प्रत्यय, सामाजिक–आर्थिक स्तर, व्यावसायिक आकांक्षा, सामाजिक स्वीकार्यता तथा सामंजस्य का शैक्षिक निष्पत्ति से धनात्मक संबंध पाया गया। परिणामों से यह भी स्पष्ट हुआ कि शैक्षिक निष्पत्ति में बालकों तथा बालिकाओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं था।

## कार्यप्रणाली

प्रस्तुत अध्ययन में अनुसन्धानकर्ता ने अध्ययन के उद्देश्य और साधनों की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुये अनुसन्धान के वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि (नॉर्मेटिव सर्वे मैथर्ड ऑफ रिसर्च) का प्रयोग किया है।

**जनसंख्या–**

प्रस्तुत शोध अध्ययन में अन्तर महाविद्यालय स्तर के बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल खिलाड़ियों को जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

**न्यादर्श–**

न्यादर्श के चयन की अनेक विधियाँ है। प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने न्यादर्श चयन में यादृच्छिकी न्यादर्श चयन विधि को अपनाया है जो की संभावित प्रतिचयन विधि का ही एक प्रकार है।

**न्यादर्श वितरण**

| बास्केटबॉल खिलाड़ियों की संख्या | वॉलीबॉल खिलाड़ियों की संख्या | कुल योग |
|---|---|---|
| 50 | 50 | 100 |

**अध्ययन के लिए चरों का चयन–**

**स्वतन्त्र चर** – बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल खिलाड़ी

**आश्रित चर** – समायोजन

**मानदंड के पैमाने–**

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विभिन्न चरों के लिये निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया है–

1. समायोजन परीक्षण – ए0के0पी0 सिन्हा व आर0पी0सिंह

**शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ–**

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया है।

1. मध्यमान
2. मानक विचलन
3. 'टी' परीक्षण

## अध्ययन के परिणाम

तालिका : अन्तरमहाविद्यालयी स्तर क बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल खिलाड़ियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

| समायोजन कारक | बास्केटबॉल खिलाड़ी N = 50 | | वॉलीबॉल खिलाड़ी N = 50 | | टी–अनुपात |
|---|---|---|---|---|---|
| | मध्यमान | मानक विचलन | मध्यमान | मानक विचलन | |
| घरेलू | 4.35 | 1.76 | 4.39 | 1.15 | 1.49 |
| स्वास्थ्य | 3.85 | 1.15 | 3.98 | 1.25 | 1.53 |
| सामाजिक | 5.25 | 1.21 | 4.55 | 1.05 | 1.45 |
| भावनात्मक | 5.98 | 1.95 | 5.65 | 1.75 | 1.59 |
| शैक्षणिक | 5.15 | 1.10 | 5.35 | 1.77 | 1.37 |

* 0.05 स्तर पर सार्थकता ** 0.01 स्तर पर सार्थकता

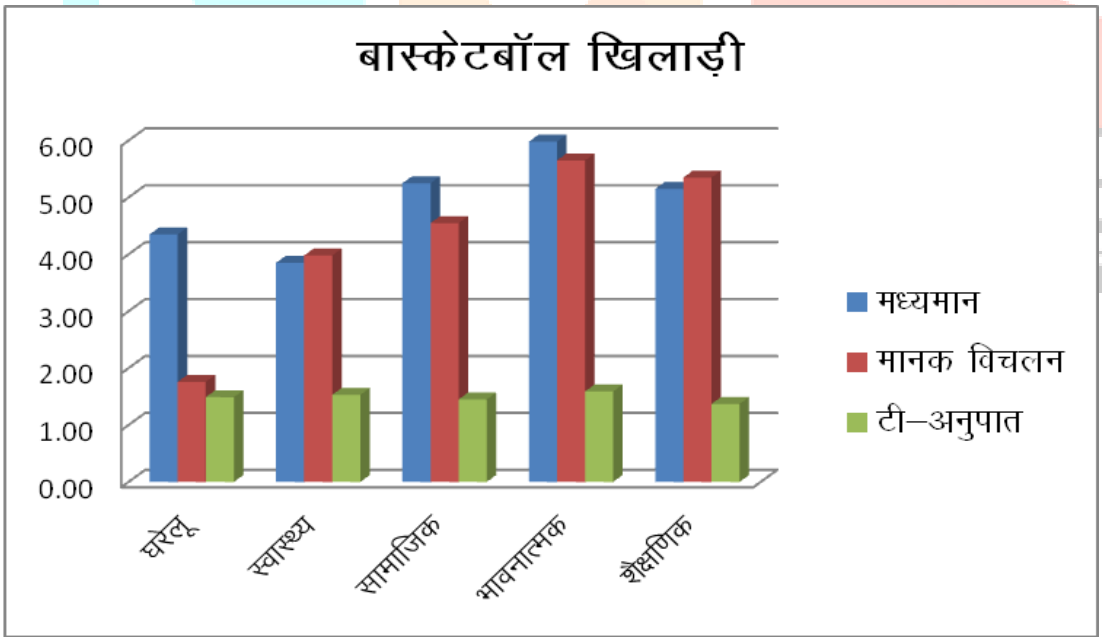

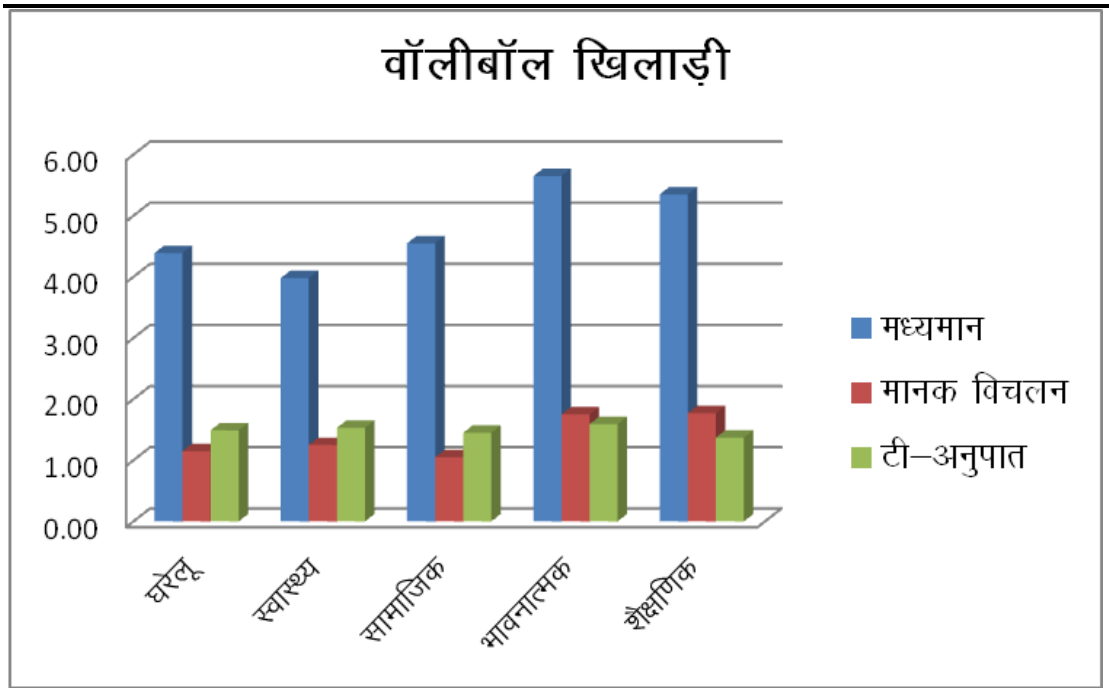


तालिका एवं आरेखों के अनुसार बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल खिलाड़ियों के समायोजन के मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–अनुपात के आधार पर यह प्रकट होता है कि बास्केटबॉल व वॉलीबॉल खिलाड़ियों के समायोजन घरेलू, स्वास्थ्य, सामाजिक, भावनात्मक व शैक्षणिक सार्थकता के 0. 05 एवं 0.01 दोनों स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं रखते हैं क्योंकि इन समायोजन के मध्यमान निकाले गये। टी–अनुपात का मान df 98 सारणी के मान से कम है। अतः शून्य परिकल्पना समयोजन के सभी कारकों के लिए स्वीकृत हुई।

## परिणामों की चर्चा

अन्तरमहाविद्यालयी स्तर के बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल खिलाड़ियों के समायोजन में तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर स्पष्ट होता है कि समायोजन के कारक को घरेलू, स्वास्थ्य, सामाजिक, भावनात्मक, शैक्षणिक का बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल खिलाड़ी एक समान रूप से प्रतिनिधित्व करते हैं।

## संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अस्थाना, विपिन (1997) : ''मनोविज्ञान शोध विधियाँ'', विनोद फस्तक मन्दिर, रांगेय राघव, आगरा।
2. बेस्ट, जे०डब्ल्यू० (1981) : ''रिसर्च इन एजूकेशन'', न्यू दिल्ली, प्रेन्टसी हॉल ऑफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड।
3. भट्टाचार्य, एस०के० (1973) : ''ए स्टडी ऑफ वैल्यू सिस्टम ऑफ डिफरैंट ऑक्यूपेशनल ग्रुप्स'', इण्डियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी।
4. भटनागर, ए०बी० व अन्य (1979) : ''मनोविज्ञान एवं शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन'', सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ।

5. बोस, सुकुमार एवं अन्य (1997) : ''क्रीड़ा मनोविज्ञान'', नवीन संकरण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

6. सरल, आर०के० (2015) : ''शारीरिक शिक्षा के मूलाधर'', लॉयल बुक डिपो, मेरठ।

7. ग्रेल (1962) : ''कम्पलीट रिसर्च इन हैल्थ फिजिकल एजूकेशन एण्ड रिक्रियेशन'' भाग–4।

8. गुप्ता, एस०पी० एवं गुप्ता, अलका (2002) : उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, विश्वविद्यालय रोड, इलाहाबाद।

9. महेश, भार्गव (1990) : ''आधुनिक मनोविज्ञान परीक्षण एवं मापन'', हरप्रसाद भार्गव, 4/230, कचहरी घाट, आगरा।

10. थानी, योगराज (2002) : ''शारीरिक शिक्षा और खेल मनोविज्ञान'', खेल साहित्य केन्द्र, नई दिल्ली।